षट्खंडागम पुस्तक-३ (फोल्डर नं. ००१३९७)

मुख्य टाइटल

विषयसूची

प्राक्कथन ---------- १

षट्खंडागम परिचय (अंग्रेजी में) ---------- i-iv

१. चित्र और चित्र-परिचय ---------- १

२. मूडबिद्रीका इतिहास ---------- ४

३. महाबंधकी खोज ---------- ६-१४

१. खोजका इतिहास ---------- ६

२. सत्कर्मपंचिका परिचय ---------- ७

३. महाबंध परिचय ---------- १२

४. उत्तरप्रतिपत्ति और दक्षिणप्रतिपत्तिपर कुछ और प्रकाश ---------- १५

५. णमोकार मंत्रके सादित्व अनादित्वका निर्णय ---------- १६

६. शंका-समाधान ---------- १८

७. द्रव्यप्रमाणानुगम ---------- ३१-५१

१. उत्पत्ति ---------- ३१

२. प्रमाणका स्वरूप ---------- ३२

३. जीवराशिका गुणस्थानोंकी अपेक्षा प्रमाण-प्ररूपण ---------- ३७

४. जीवराशिका मार्गणास्थानोंकी अपेक्षा प्रमाण-प्ररूपण ---------- ३८

५. मतान्तर और उनका खंडन ---------- ४४

६. गणितकी विशेषता ---------- ४७

८. मूडबिद्रीकी ताड़पत्रीय प्रतियोंके मिलानका निष्कर्ष ---------- ४९

९. द्रव्यप्रमाणानुगम-विषयसूची ---------- ५२

१०. अर्थसंबंधी विशेष सूचना ---------- ६६

११. पाठसंबंधी विशेष-सूचना ---------- ६७

१२. शुद्धिपत्र ---------- ६८

१३. मंगलाचरण ---------- ७२

द्रव्यप्रमाणानुगम (मूल, अनुवाद और टिप्पण) ---------- १-४८७

१. विषयकी उत्थानिका ---------- १-१०

१. द्रव्यप्रमाणानुगमकी अपेक्षा निर्देश भेद कथन ---------- १

२. द्रव्यशब्दकी निरुक्ति और भेद ---------- २

३. जीवद्रव्यका साधारण और असाधारण लक्षण ---------- २

४. अजीवद्रव्यके पी और अरूपी भेद वा उनके लक्षण ---------- २-३

५. द्रव्यप्रमाणानुगममें प्रकृत द्रव्यका निर्देश ---------- ४

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

६. प्रमाण शब्दकी निरुक्ति तथा द्रव्यप्रमाण शब्दका समास-विच्छेद ---------- ४-५
७. द्रव्यका लक्षण ---------- ५-६
८. छहों समासोंके लक्षण व उदाहरण ---------- ६-७
९. संख्याकी सर्वथा एकरूपताका परिहार ---------- ७
१०. द्रव्यप्रमाणानुगमका अर्थ ---------- ८
११. निर्देशका स्वरूप और उसके भेदोंका स्पष्टीकरण ---------- ८-१०
२. ओघसे द्रव्यप्रमाणनिर्देश ---------- १०-१०१
१२. मिथ्यादृष्टि जीवोंका प्रमाण प्ररूपण ---------- १०
१३. अनन्तके ११ भेद, नामानन्त और स्थापनानन्तका स्वरूप ---------- ११
१४. द्रव्यानन्तके भेद ---------- १२
१५. आगम और आप्तका लक्षण ---------- १२
१६. आगम द्रव्यानन्तका स्वरूप ---------- १२
१७. नोआगम द्रव्यानन्तके भेद, उनका स्वरूप और... ---------- १३-१५
१८. शाश्वतानन्त, गणनानन्त अप्रदेशिकानन्त... ---------- १५-१६
१९. प्रकृतमें गणनानन्तसे प्रयोजनकी सिद्धि और... ---------- १६-१७
२०. गणनानन्तके तीन भेद-परीत, युक्त और अनन्तानन्त ---------- १८
२१. मिथ्यादृष्टियोंके प्रमाणमें विवक्षित अनन्तानन्तका प्रतिपादन ---------- १८
२२. अनन्तानन्तके जघन्यादि तीन भेद... ---------- १९
२३. अथवा, मिथ्यादृष्टि राशि तीन वार वर्गित... ---------- १९-२६
२४. कालकी अपेक्षा मिथ्यादृष्टि जीव राशिका निरूपण... ---------- २७
२५. कालकी अपेक्षा मिथ्यादृष्टि जीव राशिकी गणना.... ---------- २८-२९
२६. अतीतकालसे मिथ्यादृष्टिराशि बड़ी है,.. ---------- ३०-३१
२७. क्षेत्रकी अपेक्षा मिथ्यादृष्टि राशिका प्रमाण-प्ररूपण... ---------- ३२
२८. क्षेत्रकी अपेक्षा मिथ्यादृष्टिराशिके मापनेका प्रकार ---------- ३२
२९. लोक, जगच्छ्रेणी और राजुका स्वरूप ---------- ३३
३०. मध्यलोक-विस्तारके संबंधमें मतभेद तथा धवलाकारका तत्संबंधी सयुक्तिक निर्णय ---------- ३४-३८
३१. क्षेत्रप्रमामके प्ररूपणकी सार्थकता ---------- ३८
३२. भावप्रमाणका स्वरूप व उसके भेद ---------- ३८-३९
३३. सूत्रमें भावप्रमाणके नहीं कहने में हेतु ---------- ३९
३४. भावप्रमाणकी अपेक्षा खंडित, भाजित, विरलित और... ---------- ३९
३५. वर्गस्थानमें खंडित, आदिके द्वारा मिथ्यादृष्टि राशिके प्रमाण... ---------- ४०
३६. मिथ्यादृष्टि राशि लानेके लिए ध्रुव राशिकी स्थापना... ---------- ४१
३७. मिथ्यादृष्टिराशिका प्रमाण तता तत्संबंधई गणितका शास्त्रीय कारण ---------- ४२-४६
३८. गणितसंबंधी नौ करण-गाथाएं ---------- ४६-४९
३९. सर्वजीवराशिमें से मिथ्यादृष्टि और सिद्ध-तेरस गुणस्थानोंके प्रमाण... ---------- ५१

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

४०. विकल्पके अधस्तन और उपरिम भेद... ५२
४१. घनधारामें अधस्तन विकल्प ५२
४२. घनाघनधारामें अधस्तन विकल्प ५३
४३. उपरिम विकल्पमें तीन भेद-गृहीत, गृहीतगृहीत और गृहीतगुणकार ५४
४४. द्विरूपधारामें गृहीत उपरिम विकल्पद्वारा... ५४
४५. घनधारामें गृहीत उपरिम विकल्प ५७
४६. घनाघनधारामें गृहीत उपरिम विकल्प ५८
४७. गृहीतगृहीत-उपरिम विकल्पमें तीनों धाराओंके द्वारा मिथ्यादृष्टि राशिकी उत्पत्ति ५९
४८. गृहीतगुणकार उपरिम विकल्पमें तीनों धाराओंके द्वारा... ६१
४९. सासादनसम्यग्दृष्टिसे लेकर संयतासंयत गुमस्थानतक... ६३
५०. सासादनसम्यग्दृष्टियोंका प्रमाण ६३
५१. क्षेत्र और कालकी अपेक्षा सासादनसम्यग्दृष्टियोंके प्रमाणकी प्ररूपणा... ६३
५२. कालप्रमामसंबंधई आवली, उच्छ्वास.... ६५
५३. एक मुहूर्तमें प्राणोंकी संख्यासिद्धि और मतान्तरका खंडन ६६
५४. असंयतसम्यग्दृष्टि, सम्यग्मिथयादृष्टि... ६६
५५. ओघसम्यग्मिथ्यादृष्टि, सासादनसम्यग्दृष्टि और संयतासंयतोंका अवहारकाल... ६८
५६. सासादनसम्यग्दृष्टि आदि राशियोंके अनवस्थित रहने पर भी ७०
५७. खंडित, भाजित विरलित, अपहृत प्रमाण कारण... ७१
५८. अधस्तनविकल्पमें द्विरूपवर्गधारा आदिका आश्रय... ७४
५९. उपरिमविकल्पके तीनों भेदोंमें द्विरूपवर्गधारा... ७७
६०. सम्यग्मिथ्यादृष्टि, असंयतसम्यग्दृष्टि और संयतासंयत की प्ररूपणा... ८७
६१. सासादनसम्यग्दृष्टि आदिके अवहारकाल... ८७
६२. प्रमत्तसंयतोंका प्रमाण ८८
६३. अप्रमत्तसंयतोंका प्रमाण ८९
६४. अप्रमत्तसंयतोंके प्रमाणसे प्रमत्तसंयतोंके दूने प्रमाणका कारण ९०
६५. चारों उपशामकोंका प्रवेशकी अपेक्षा प्रमाण ९०
६६. चारों उपशमकोंका कालकी अपेक्षा प्रमाण... ९१
६७. चारों क्षपक और अयोगिकेवलीका प्रवेशकी अपेक्षा प्रमाण ९२
६८. चारों क्षपक और अयोगिकेवलीका कालकी अपेक्षा प्रमाण व उनकी... ९३
६९. उपशामकों और क्षपकोंकी संख्याके लानेका करणसूत्र ९४
७०. उत्तरप्रतिपत्ति औऱ दक्षिण प्रतिपत्ति अनुसार... ९४
७१. एक एक गुणस्थानमें उपशामक और क्षपकोंका संयुक्त प्रमाण ९५
७२. सयोगिकेवलियोंका प्रवेश व कालकी अपेक्षा प्रमाण ९५
७३. सयोगिकेवली जिनोंकी लक्षपृथक्त्व संख्याके निकालनेका विधान ९५
७४. यथाख्यातसंयतोंका, सर्वसंयत राशिका तथा उपशामक और क्षपकोंका प्रमाण ९७

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

७५. प्रमत्त और अप्रमत्तसंयतोंकी राशिके निकालनेका एक नया प्रकार ---------- ९७
७६. दक्षिणप्रतिपत्तिवाली सर्व संयतोंकी संख्यापर आक्षेप और समाधान ---------- ९८
७७. उत्तरप्रतिपत्तिकी अपेक्षा प्रमत्तसंयत आदिका प्रमाण ---------- ९९
७८. ओघ भागाभाग प्ररूपण ---------- १०१
७९. अल्पबहुत्वके कथनकी प्रतिज्ञा... ---------- ११४
८०. अल्पबहुत्वके दो भेद-स्वस्थान और सर्वपरस्थान ---------- ११४
८१. मिथ्यादृष्टिराशिमें स्वस्थान अल्पबहुत्वका अभाव ---------- ११४
८२. सासादनादि राशइयोंमें स्वस्थान अल्पबहुत्व ---------- ११४
८३. ओघ सर्वपरस्थान अल्पबहुत्व ---------- ११६
३. आदेशसे द्रव्यप्रमाणनिर्देश ---------- १२१-४८७
१. गतिमार्गणा ---------- १२१-३०५
८४. सामान्य नारक मिथ्यादृष्टियोंका प्रमाण ---------- १२१
८५. असंख्यातके नामादि ग्यारह भेद और उनका स्वरूप ---------- १२३-१२५
८६. प्रकृतमें गणना संख्यातसे प्रयोजन... ---------- १२५
८७. गणनासंख्यातके जघन्यपरीतासंख्यात आदि नौ भेद,.... ---------- १२६
८८. तीन वार वर्गित संवर्गितराशिसे असंख्यातगुणी... ---------- १२८
८९. सामान्य नारक मिथ्यादृष्टियोंका कालकी अपेक्षा प्रमाण व हेतु ---------- १२९
९०. क्षेत्रप्रमाणसे पहले काल प्रमाणके वर्णनकी सार्थकता ---------- १३०
९१. नारक मिथ्यादृष्टियोंकी कालकी अपेक्षा गणना करनेका प्रकार ---------- १३१
९२. नारकसामान्य मिथ्यादृष्टियोंका क्षेत्रकी अपेक्षा प्रमाण ---------- १३१
९३. नारकसामान्य मिथ्यादृष्टियोंका विष्कम्भसूचीका प्रमाण ---------- १३३
९४. सूत्रपठित अंगुल शब्दसे सूच्यंगुलके ग्रहणका सप्रमाण स्थन ---------- १३४
९५. वर्गस्थानमें खंडित आदिके द्वारा विष्कंभसूचीका प्ररूपण ---------- १३५
९६. नारकसामान्य मिथ्यादृष्टियोंके प्रमाण... ---------- १४१
९७. वर्गस्थानमें प्रमाण आदिके द्वारा अवहारकालका निरूपण ---------- १४२
९८. नारक सामान्य मिथ्यादृष्टिराशिका प्रमाम... ---------- १५०
९९. सासादन से लेकर असंयतसम्यग्दृष्टि गुणस्थान तक... ---------- १५६
१००.गुणस्थान-प्रतिपन्न सामान्य नारकियोंको गुणस्थान... ---------- १५६
१०१. ओघ असंयतसम्यग्दृष्टि-अवहारकालके आश्रयसे गुणस्थानप्रतिपन्न देव ---------- १५७
१०२. प्रथम पृथिवीमें नारकियोंका प्रमाण ---------- १६१
१०३. सामान्य नारकोंके प्रमाण समान प्रथम पृथिवीके नारकोंका प्रमाण... ---------- १६१
१०४. प्रतम नरकके मिथ्यादृष्टि नारकोंकी विष्कंभसूची... ---------- १६२
१०५. उक्त नारकोंका प्रकारान्तरसे अवहारकाल ---------- १६४
१०६. प्रत्येक पृथिवीके प्रति अवहारकाल, प्रक्षेप शलाकाएं... ---------- १६६
१०७. सामान्य अवहारकालमात्र छह पृथिवियोंके द्रव्यका आश्रय... ---------- १७१

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

१०८. उक्त सातों अवहारकालोंके मिलानकी विधि.... ----------१७५
१०९. प्रकारान्तरसे प्रथम पृथिवीके अवहारकाल लानेकी विधियां----------१७७
११०. छठी और सातवीं पृथिवियोंका संयुक्त अवहारकाल----------१७९
१११. पांचवीं, छठी और सातवीं पृथिवियोंका संयुक्त अवहारकाल ----------१८०
११२. चौथी, पांचवी, छठी और सातवीं पृथिवियोंका संयुक्त अवहारकाल----------१८२
११३. तीसरीसे सातवी तक पांच पृथिवीयोंका संयुक्त अवहारकाल----------१८३
११४. दूसरीसे सातवीं तक छह पृथिवियोंका संयुक्त अवहारकाल----------१८४
११५. दूसरी आदि छह पृथिवियोंके संयुक्त अवहारकालसे प्रथम...----------१८६
११६. हानिरूप और प्रक्षेपरूप अंकोंका ज्ञान करानेके लिये... ----------१८७
११७. राशिके हानिरूप विधानका अंकसंदृष्टि द्वारा स्पष्टीकरण----------१९१
११८. सामान्य अवहारकालके एक विरलनके प्रति प्राप्त सामान्य... ----------१९३
११९. खंड शलाकाओंका आश्रय...----------१९६
१२०. नरकगतिके सामान्य और विशेष रूपसे अवहारकाल...----------१९७
१२१. दूसरीसे सातवीं पृथिवी तकके मिथ्यादृष्टि.... ----------१९८
१२२. जगच्छ्रेणीके कितने कितने वर्गमूलोंके परस्पर गुणा...----------२००
१२३. तृतीयादि पृथिवियोंके द्रव्यके आश्रयसे...----------२०१
१२४. प्रथम पृथिवीके आश्रयसे दूसरी पृथिवीके द्रव्य उत्पन्न करनेकी विधि...----------२०३
१२५. दूसरीसे सातवीं पृथिवी तक गुमस्थआन प्रतिपन्न जीवोंका प्रमाण----------२०६
१२६. दूसरीसे सातवीं पृथिवी तक गुमस्थआन प्रतिपन्न जीवोंका प्रमाण...----------२०६
१२७. नरकगति-सम्बन्धी भागाभाग----------२०७
१२८. नरकगति-सम्बन्धी अल्पबहुत्व ----------२०८
१२९. मिथ्यादृष्टिसे लेकर संयतासंयत...----------२१५
१३०. सामान्य तिर्यंच मिथ्यादृष्टियोंकी ध्रुवराशि...----------२१६.
१३१. जहां राशिका अनन्तरूप प्रमाण बताया है वहां... ----------२१७
१३२. पंचेन्द्रियतिर्यंच मिथ्यादृष्टियोंका द्रव्य...----------२१७
१३३. असंख्यातासंख्यात अपसर्पिणी...----------२१८
१३४. पंचेन्द्रियतिर्यंच मिथ्यादृष्टिराशिका क्षेत्रकी अपेक्षा प्रमाण... ----------२१९
१३५. पंचेन्द्रियतिर्यंच मिथ्यादृष्टियोंके अवहारकालका खंडित... ----------२२०
१३६. पंचेन्द्रियतिर्यंच मिथ्यादृष्टियोंकी विष्कंभसूची... ----------२२५
१३७. सासादन गुणस्थआनसे लेकर संयतासंयत तक...----------२२६
१३८. द्रव्यप्रमाणके आदिमें कथन करनेका प्रयोजन... ----------२२७
१३९. द्रव्यप्रमाणसे कालप्रमाणके सूक्ष्मत्वकी सिद्धि----------२२८
१४०. पंचेन्द्रिय तिर्यंच पर्याप्त मिथ्यादृष्टियोंका क्षेत्रकी अपेक्षा प्रमाम...----------२२८
१४१. सासादन गुमस्थानसे लेकर संयतासंयत तक पंचेद्रिय तिर्यंच...----------२२९
१४२. पंचेन्द्रिय तिर्यंच मिथ्यादृष्टि योनिमतियोंका द्रव्य... ----------२२९

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

१४३. पंचेन्द्रियतिर्यंच मिथ्यादृष्टि योनिमतियोंका अवहारकाल...----------२३०
१४४. पंचेन्द्रियतिर्यंच मिथ्यादृष्टियोनिमतियोंके ...----------२३२
१४५. पंचेन्द्रिय तिर्यंच मिथ्यादृष्टियोनिमतियोंकी विष्कम्भ सूची----------२३७
१४६. सासादन गुणस्थानसे लेकर संयतासंयत तक प्रत्येक गुमस्थानमें...----------२३७
१४७. पंचेन्द्रियतिर्यंच योनिमती असंयतसम्यग्दृष्टि,.... ---------- २३८
१४८. पंचेन्द्रियतिर्यंच पर्याप्तोंमें असंयत सम्यग्दृष्टि....----------२३८
१४९. पंचेन्द्रियतिर्यंच तीनवेदवाले.... ----------२३८
१५०. पंचेद्रियतिर्यंच अपर्याप्तोंका द्रव्य... ----------२३९
१५१. तिर्यंचगति सम्बन्धी भागाभाग और अल्पबहुत्व----------२४०
१५२. सामान्य मनुष्य मिथ्यादृष्टियों का द्रव्य, काल और क्षेत्रकी अपेक्षा प्रमाण ----------२४४
१५३. सामान्य मनुष्य मिथ्यादृष्टियोंका अवहारकाल व खंडित...----------२४६
१५४. मध्यम विकल्प और उपरिम विकल्पमें भेद ----------२४८
१५५. मनुष्य मिथ्यादृष्टि अवहारकालका जगश्रेणीमें भाग...----------२४९
१५६. ओज और युग्म राशियोंके भेद प्रबेद और उनके लक्षण ----------२४९
१५७. यहां जीवस्थानमें मनुष्य मिथ्यादृष्टि अवहारकालका जगश्रेणीमें भाग...----------२५०
१५८. मनुष्य मिथ्यादृष्टियोंके अवहारकालका कथन----------२५१
१५९. सासादन गुणस्थानसे लेकर संयतासंयत गुणस्थानतक प्रत्येक... ----------२५१
१६०. सासादनसम्यग्दष्टि और सम्यग्मिथ्यादृष्टि मनुष्योंके प्रमाणमें मतभेद----------२५२
१६१. प्रमत्तसंयत गुमस्थानसे लेकर अयोगिकेवली गुमस्थानतक...----------२५२
१६२. पर्याप्त मनुष्य मिथ्यादृष्टियोंका प्रमाण... ----------२५३
१६३. पर्याप्त मनुष्यराशिमेंसे गुणस्थान प्रतिपन्नराशिके घटा देने पर...----------२५४
१६४. दो वेदवाले मनुष्य पर्याप्तोंका अवहारकाल और उनका प्रमाण----------२५४
१६५. बादालके घनप्रमाण मनुष्य पर्याप्तराशि है... ----------२५५
१६६. सासादनगुणस्थानसे लेकर संयतासंयततक प्रत्येक गुणस्थान...----------२५९
१६७. प्रमत्तसंयत गुमस्थानसे लेकर अयोगिकेवली... ----------२६०
१६८. मनुष्ययोनिमें मिथ्यादृष्टियोंका प्रमाण व अवहारकाल निरूपण----------२६०
१६९. सासादन गुणस्थानसे लेकर...----------२६१
१७०. लब्ध्यपर्याप्त मनुष्योंका द्रव्य, काल और...----------२६२
१७१. मनुष्यगतिसम्बन्धी भागाभाग और अल्पबहुत्व----------२६४
१७२. सामान्यदेवोंमें मिथ्यादृष्टियोंका प्रमाण ----------२६६
१७३. संख्यात, असंख्यात और अनन्तके लक्षण व परस्पर भेद----------२६७
१७४. काल और क्षेत्रकी अपेक्षा सामान्य देव मिथ्यादृष्टियोंका प्रमाण ----------२६८
१७५. सासादन गुणस्थानसे लेकर...----------२६९
१७६. असंयतसम्यग्दृष्टि, सम्यग्मिथ्यादृष्टि और...----------२६९
१७७. भवनवासी मिथ्यादृष्टियोंका द्रव्य... ----------२७०

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

१७८. सासादन, सम्यग्मिथ्यादृष्टि और... ----------२७१
१७९. वानव्यन्तर मिथ्यादृष्टि देवोंका द्रव्य... ----------२७२
१८०. वानव्यन्तर और योनिमतियोंके अवहारकालमें मतभेद...----------२७३
१८१. सासादन, सम्यग्मिथ्यादृष्टि और... ----------२७४
१८२. ज्योतिषी देवोंका प्रमाम, व उस प्रमाणको सामान्य... ----------२७५
१८३. ज्योतिषी देवोंका अवहारकाल ----------२७६
१८४. सौधर्म और ऐशान कल्पवासी मिथयादृष्टि देवोंका द्रव्य...----------२७६
१८५. सौधर्म और ऐशान मिथ्यादृष्टि देवोंकी विष्कंभसूची----------२७७
१८६. खुद्दाबंधमें सामान्यसे जीवोंका प्रमाण...----------२७८
१८७. सौधर्म और ऐशान कल्पवासी सासादन... ----------२८०
१८८. आनत-प्राणत कल्पसे लेकर नव ग्रैवेयक तक... ----------२८१
१८९. अनुदिशोंसे लेकर अपराजित अनुत्तरविमान तक...----------२८१
१९०. गुणस्थान-प्रतिपन्न सर्व देवोंके अवहारकाल----------२८२
१९१. आनतादि उपरिम गुमस्थानप्रतिपन्न देवोंका प्रमाण... ----------२८५
१९२. सर्वार्थसिद्धि विमानवासी देवोंका प्रमाण ----------२८६
१९३. देवगतिसंबंधी भागाभाग ----------२८६
१९४. देवगतिसंबंधी अल्पबहुत्व----------२८८
१९५. चतुर्गतिसंबंधई भागाभाग----------२९५
१९६. चतुर्गतिसंबंधी अल्पबहुत्व ----------२९७
२. इन्द्रियमार्गणा ---------- ३०५-३२९
१९७. सामान्य एकेन्द्रिय, बादर एकेन्द्रिय,.... ---------- ३०५
१९८. उक्त नौ राशियोंकी ध्रुवराशियां----------३०७
१९९. खंडित आदिके द्वारा उक्त नौ राशियोंका वर्णन----------३०८
२००. पर्याप्त और अपर्याप्त विकलत्रय जीवोंका... ----------३१०
२०१. प्रकृतमें पर्याप्त और अपर्याप्त...----------३११
२०२. सयोगिकेवलीके पंचेन्द्रियत्वका समर्थन ----------३११
२०३. विकलत्रय जीवोंकी कालकी अपेक्षा प्रमाण----------३१२
२०४. द्वीन्द्रियादि राशइयां.... ----------३१२
२०५. विकलत्रयजीवोंका क्षेत्रकी अपेक्षा प्रमाण----------३१३
२०६. पंचेन्द्रियसामान्य और पंचेन्द्रिय पर्याप्तोंका द्रव्य...----------३१४
२०७. विकलत्रयोंके प्रमाण-प्रतिपादक सूत्रके साथ पंचेन्द्रियोंके प्रमाण...----------३१५
२०८. विकलेन्द्रिय और सकलेन्द्रियोंका अवहारकाल तथा द्रव्यप्रमाण----------३१५
२०९. सासादनगुणस्थानसे लेकर अयोगिकेवली...----------३१७
२१०. जिनकी इन्द्रियां नष्ट हो गई हैं...----------३१७
२११. लब्ध्यपर्याप्त पंचेन्द्रियोंका द्रव्य...----------३१७

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

२१२. लब्ध्यपर्याप्त पंचेन्द्रियोंके... ----------३१८
२१३. अपर्याप्तकालमें गुप्तस्थान-प्रतिपन्न जीव...----------३१८
२१४. इन्द्रियमार्गणाकी अपेक्षा भागभाग----------३१८
२१५. इन्द्रियमार्गणाकी अपेक्षा अल्पबहुत्व----------३२२
३. कायमार्गणा ---------- ३२९-३८६
२१६. पृथिवीकायिक, अप्कायिक, तैजस्कायिक, वायुकायिक तथा... ----------३२९
२१७. पृथिवीकायिकका अर्थ...----------३३०
२१८. पृथिवीकियाकि आदिके प्रत्येक होते हुए उन्हें...----------३३१
२१९. सूक्ष्म, पर्याप्त और अपर्याप्त... ----------३३१
२२०. विग्रहगतिमें विद्यमान वनस्पतिकायिक जीव...----------३३२
२२१. तैजस्कायिकराशिके उत्पन्न करनेकी विधि----------३३४
२२२. चौथीवार कितनी गुणकारशलाकाओंके जानेपर... ----------३३७
२२३. प्रकारान्तरसे तैजस्कायिक राशिके उत्पन्न करनेका विधान ----------३३९
२२४. खंडित आदिके द्वारा तैजस्कायिकराशिका वर्णन----------३४०
२२५. तैजस्कायिकराशिसे पृथिवी, ल और वायुकायिकराशिके...----------३४१
२२६. प्रकृतोपयोगी करणसूत्र.... ----------३४२
२२७. बादरतैजस्कायिक आदि राशियोंके अर्धच्छेद----------३४४
२२८. बादरतैजस्कायिकराशिकी सत्तरह प्रकारकी प्ररूपणा----------३४४
२२९. बादरवनस्पति प्रत्येक शरीर राशिकी सत्तरह प्रकारकी प्ररूपणा... ----------३४६
२३०. सप्रतिष्ठित और अप्रतिष्ठित प्रत्येक वनस्पतिमें भेद----------३४७
२३१. सूत्रमें बादरवनस्पतिप्रत्येक शरीर का ही प्रमाण कहा...----------३४८
२३२. बादरपृथिवीकायिक पर्याप्त... ----------३४८
२३३. उक्त तीनों राशियोंके भागहार----------३५०
२३४. बादरतैजस्कायिक पर्याप्त राशिका प्रमाम...----------३५१
२३५. बादरतैजस्कायिक पर्याप्तराशिका प्रमाण ----------३५५
२३६. बादरवायुकायिक पर्याप्तराशिका द्रव्य... ----------३५५
२३७. बादरवायुकायिक पर्याप्तराशिका प्रमाण----------३५६
२३८. भेद-प्रभेदयुक्त वनस्पतिकायिक जीवोंका द्रव्य-प्रमाण----------३५६
२३९. जिनका शरीर वनस्पतिरूप होता है उन्हें वनस्पतिकायिक कहते हैं..----------३५७
२४०. भेद-प्रभेदयुक्त वनस्पतिकायिक जीवोंका काल... ----------३५८
२४१. पूर्वोक्त जीवराशियोंकी ध्रुव राशियां----------३५९
२४२. त्रसकयिकसामान्य और त्रसकायिकपर्याप्त मिथ्यादृष्टि... ----------३६०
२४३. सासादनसम्यग्दृष्टि गुणस्थानसे लेकर अयोगिकेवली... ----------३६२
२४४. लब्ध्यपर्याप्त त्रसकायिकोंका प्रमाण ----------३६२
२४५. लब्ध्यपर्याप्त त्रसकायिकोंका प्रमाण...----------३६३

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

२४६. कार्यमार्गणासम्बन्धी भागाभाग ---------- ३६३
२४७. कायमार्गणासम्बन्धी अल्पबहुत्व ---------- ३६५
४. योगमार्गणा ---------- ३८६-४१६
२४८. पांचों मनोयोगी तथा सत्य.... ---------- ३८६
२४९. उक्त आठ राशियां देवोंके संख्यातवे भाग क्यों हैं... ---------- ३८६
२५०. सासादनसम्यग्दृष्टि गुणस्थानसे लेकर... ---------- ३८७
२५१. प्रमत्तसंयतसे लेकर सयोगिकेवली तक उक्त... ---------- ३८७
२५२. प्रमत्तसंयतादि गुणस्थानोंमें आठ राशियोंका प्रमाण... ---------- ३८८
२५३. वचनयोगी और अनुभयवचनयोगी... ---------- ३८८
२५४. सासादनादि गुणस्थानवर्ती उक्त राशियोंका प्रमाण ---------- ३९०
२५५. स्व-भेद-युक्त मनोयगी, वचनयोगी... ---------- ३९०
२५६. कायोगी और औदारिककाययोगी... ---------- ३९५
२५७. सासादनगुणस्थानसे लेकर सयोगिकेवली तक काययोगी... ---------- ३९५
२५८. औदारिकमिश्रकाययोगी मिथ्यादृष्टियोंका प्रमाण... ---------- ३९६
२५९. औदारिककाययोगराशिके संख्यातवें भाग औदारिकमिश्रकाययोगराशिके.. ---------- ३९६
२६०. औदारिकमिश्रकाययोगी सासादनसम्यग्दृष्टियोंका प्रमाण... ---------- ३९७
२६१. औदारिकमिश्रकाययोगी असंयतसम्यग्दष्टि औऱ... ---------- ३९७
२६२. वैक्रियिककायगी मिथ्यादृष्टियोकां प्रमाण... ---------- ३९८
२६३. वैक्रियिककाययोगी सासादनसम्यग्दृष्टि, और असंयतसम्यग्दृष्टि... ---------- ३९९
२६४. वैक्रियिकमिश्रकाययोगी मिथ्यादृष्टियोकां प्रमाण ---------- ४००
२६५. वैक्रियकमिश्रकाययोगी सासादनसम्यग्दृष्टि... ---------- ४०१
२६६. आहारककाययोगी प्रमत्तसंयतों का प्रमाण ---------- ४०१
२६७. आहारकमिश्रकाययोगी प्रमत्तसंयतोंका प्रमाण... ---------- ४०२
२६८. कार्मणकाययोगी मिथ्यादृष्टिजीवोंका प्रमाण... ---------- ४०२
२६९. कार्मणकाययोगी सासादनसम्यग्दृष्टि... ---------- ४०३
२७०. कार्मणकाययोगी सयोगिजिनोंका प्रमाण ---------- ४०४
२७१. योगमार्गणा सम्बन्धी भागाभाग ---------- ४०४
२७२. योगमार्गणा सम्बन्धी अल्पबहुत्व ---------- ४०८
५. वेदमार्गणा ---------- ४१३-४२४
२७३. स्त्रीवेदी मिथ्यादृष्टियोका प्रमाण... ---------- ४१३
२७४. सासादन सम्यग्दृष्टिसे लेकर संयतासंयत.... ---------- ४१४
२७५. स्त्रीवेदी असंयतसम्यग्दृष्टियोंके कम होनेका कारण ---------- ४१५
२७६. प्रमत्तसंयत गुणस्थानसे लेकर... ---------- ४१५
२७७. पुरुषवेदी मिथ्यादृष्टियोंका प्रमाण व अवहारकाल ---------- ४१६
२७८. सासादनसम्यग्दृष्टिसे लेकर अनिवृत्तिकरण... ---------- ४१६

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

२७९. मिथ्यादृष्टि गुणस्थानसे लेकर...----४१७
२८०. प्रमत्तसंयत गुणस्थआनसे लेकर... ----४१८
२८१. स्त्रीवेदी प्रमत्तादिराशिसे भी नपुंसकवेदी... ----४१९
२८२. अपगतवेदी उपशामकोंका प्रवेशकी अपेक्षा प्रमाण ----४१९
२८३. उपशान्तकषायजीवके उपशामक संज्ञा कैसे है...----४१९
२८४. अपगतवेदी उपशामकोंका संचयकालकी अपेक्षा प्रमाण ----४२०
२८५. अपगतवेदी तीनों क्षपक और अयोगिकेवलियोंका प्रमाण----४२०
२८६. अपगतवेदी सयोगिकेवलियोंका प्रमाण----४२१
२८७. वेदमार्गणासम्बन्धी भागाभाग व अल्पबहुत्व ----४२१
६. कषायमार्गणा ---- ४२४-४३६
२८८. क्रोध, मान, माया और लोभकषायी जीव...----४२४
२८९. प्रमत्तसंयत गुणस्थानसे लेकर अनिवृत्ति... ----४२८
२९०. लोभकषायी उपशमक, व क्षपक...----४२९
२९१. अकषायी जीवोंमें उपशान्तकषाय...----४३०
२९२. अकषायी क्षीणकषायवीतरागछद्मस्थ और...----४३०
२९३. अकषायी सयोगिकेवली जिनोंका प्रमाम----४३१
२९४. कषायमार्गणासम्बन्धी भागाभाग----४३१
२९५. कषायमार्गणासम्बन्धई अल्पबहुत्व ----४३३
७. ज्ञानमार्गणा ---- ४३६-४४६
२९६. मत्यज्ञानी और श्रुताज्ञानी मिथ्यादृष्टि...----४३६
२९७. विभंगज्ञानी मिथ्यदृष्टि जीवोंका प्रमाण व अवहारकाल ----४३७
२९८. विभंगज्ञानी सासादनसम्यग्दृष्टि जीवोंका प्रमाण----४३८
२९९. मति, श्रुत और अवधिज्ञानी जीव...----४३९
३००. अवधिज्ञानयोंमें प्रमत्तसंयत...----४४१
३०१. मनःपर्यवज्ञानियोंमें प्रमत्तसंयत... ----४४१
३०२. केवलज्ञानियोंमें सयोगिकेवली...----४४२
३०३. ज्ञानमार्गणा सम्बन्धी भागाभाग----४४२
३०४. ज्ञानमार्गणासम्बन्धी अल्पबहुत्व----४४४
८. संयममार्गणा---- ४४७-४५२
३०५. संयमी जीवोंमें प्रमत्तसंयत गुणस्थान... ----४४७
३०६. सामायिक और छेदोपस्थापनासंयतोंमें प्रमत्तसंयत... ----४४७
३०७. परिहार विशुद्धिसंयमवाले प्रमत्त...----४४९
३०८. सूक्ष्मसाम्परायसंयमवाले उपशमक व क्षपकोंका प्रमाण----४४९
३०९. यथाख्यातसंयमी, संयमासंयमी और असंयमी जीवोंका... ----४५०
३१०. संयममार्गणासम्बन्धी भागाभाग ----४५१

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

३११. संयममार्गणासम्बन्धी अल्पबहुत्व----------४५१
९. दर्शनमार्गणा ---------- ४५३-४५९
३१२. चक्षुदर्शनी मिथ्यादृष्टि जीवोंका द्रव्य, काल...----------४५३
३१३. चक्षुदर्शनी जीव किसे कहते हैं...----------४५३
३१४. चक्षुदर्शनी जीवोंमें सासादन...----------४५४
३१५. अचक्षुदर्शनियोंमें मिथ्यादृष्टि गुणस्थान...----------४५५
३१६. अवधिदर्शनी जीवोंका प्रमाण व अवहारकाल----------४५५
३१७. केवलदर्शनी जीवोंका प्रमाण----------४५६
३१८. श्रुतदर्शन और मनःपर्ययदर्शन क्यों नहीं होता है...----------४५६
३१९. ज्ञानमार्गणासम्बन्धी भागाभाग----------४५७
३२०. ज्ञानमार्गणासम्बन्धी अल्पबहुत्व...----------४५८
१०. लेश्यामार्गणा ---------- ४५९-४७१
३२१. कृष्ण, नील और कापोतलेश्या...----------४५९
३२२. तेजोलेश्यावाले जीवोंमें...----------४६१
३२३. तेजोलेश्यावाले जीवोंमें सासादन सम्यग्दृष्टि...----------४६२
३२४. पद्मलेश्यावाले जीवोंमें मिथ्यादृष्टि...----------४६३
३२५. पद्मलेश्यावाले जीवोंमें सासादन...----------४६३
३२६. शुक्ललेश्यावाले जीवोंमें मिथ्यादृष्टि...----------४६३
३२७. शुक्ललेश्यावाले जीवोंमें प्रमत्तसंयत...----------४६५
३२८. लेश्यामार्गणासंबंधी भागाभाग----------४६६
३२९. लेश्यामार्गणासंबंधी अल्पबहुत्व----------४६७
११. भव्यमार्गणा ---------- ४७२-४७३
३३०. भव्यसिद्धिक जीवोंमें मिथ्यादृष्टि...----------४७२
३३१. अभव्यसिद्धिक जीवोंका प्रमाण----------४७२
३३२. भव्यमार्गणासम्बन्धी भागाभाग और अल्पबहुत्व----------४७३
१२. सम्यक्त्वमार्गणा ---------- ४७४-४८१
३३३. सम्यग्दृष्टि जीवोंमें असंयतसम्यग्दृष्टि...----------४७४
३३४. क्षायिकसम्यग्दृष्टियोंमें असंयत...----------४७४
३३५. क्षायिकसम्यग्दृष्टि संयतासंयत...----------४७५
३३६. क्षायिकसम्यग्दृष्टि चारों क्षपक व अयोगिकेवली----------४७५
३३७. क्षायिकसम्यग्दृष्टि सयोगिकेवली जिनोंका प्रमाण----------४७६
३३८. वेदकसम्यग्दृष्टियोंमें असंयत...----------४७६
३३९. उपशमसम्यग्दृष्टियोंमं असंयत सम्यग्दृष्टि...----------४७६
३४०. सासादनसम्यग्दृष्टि...----------४७७
३४१. सम्यक्त्वमार्गणासम्बन्धी भागाभाग----------४७९

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

३४२. सम्यक्त्वमार्गणासम्बन्धी अल्पबहुत्व---------- ४७९
३४३. प्रमत्तसंयत वेदकसम्यग्दृष्टियोंसे क्षयिकसम्यग्दृष्टि... ----------४८०
१३. संज्ञीमार्गणा ---------- ४८२-४८३
३४४. संज्ञी मिथ्यादृष्टि जीवोंका प्रमाण व अवहारकाल----------४८२
३४५. संज्ञी जीवोंमें सासादन...----------४८२
३४६. असंज्ञी जीवोंका द्रव्य, काल और क्षेत्रकी अपेक्षा प्रमाण ----------४८३
३४७. संज्ञीमार्गणासंबंधी भागाभाग व अल्पबहुत्व ----------४८३
१४. आहारमार्गणा---------- ४८३-४८७
३४८. आहारक जीवोंमें मिथ्यादृष्टि गुणस्थान... ----------४८३
३४९. अनाहारक जीवोंका प्रमाण----------४८४
३५०. अनाहारक अयोगिकेवली...----------४८५
३५१. आहारमार्गणासम्बन्धी भागाभाग----------४८५
३५२. आहारमार्गणासम्बन्धी अल्पबहुत्व ----------४८५
परिशिष्ट----------१-४२
दव्वपरूवणासुत्ताणि----------१
अवतरणगाथासूची---------- १०
न्यायोक्तियां---------- ११
ग्रंथोल्लेख---------- १२
पारिभाषिक शब्दसूची---------- १६
मूडबिद्रीकी ताड़पत्रीय प्रतियोंके मिलान---------- २०

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org